जयपुर, शुक्रवार, 22 जुलाई 2011

डेली न्यूज़ 7

आजीविका व शिक्षा पर गोलमेज परिचर्चा संपन्न

सेंटर फॉर सिविल सोसायटी की ओर से गुरुवार को जयपुर में राजस्थान विधानसभा के सदस्यों के साथ राजस्थान में आजीविका व शिक्षा को प्रोत्साहन देने के मामले में गोलमेज परिचर्चा का आयोजन किया गया। परिचर्चा में राष्ट्रीय फुटपाथ नीति-2009 व शिक्षा का अधिकार अधिनियम की पालना पर जनप्रतिनिधियों के साथ चर्चा की गई। इस मौके पर प्रोफेसर डॉ. पार्थ जे. शाह ने बताया कि परिचर्चा का उद्देश्य नीति नियोजकों व समीक्षकों के बीच संवाद कायम करना है ताकि दोनों मसलों का उचित प्रकार से समाधान हो सके। परिचर्चा में चिकित्सा राज्य मंत्री डॉ. राजकुमार शर्मा, विधायक डॉ. रघु शर्मा, वासुदेव देवनानी, फूलचंद भिंडा, मोहनलाल गुप्ता, शंकर सिंह रावत और रामस्वरुप कसाणा ने भाग लिया।

डेली न्यूज़ 4

जयपुर, शुक्रवार, 22 जुलाई 2011

फुटपाथ नीति लागू करने की जरूरत

फुटपाथ व्यवसायियों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए 2004 में केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय फुटपाथ नीति बनाई और 2009 में इसमें संशोधन कर इसे राज्य सरकार को लागू करने के लिए भेजा, लेकिन राज्य सरकार इसे आज तक लागू नहीं कर पाई, जबकि सुप्रीम कोर्ट भी इसे 30 जून 2011 तक लागू करने के लिए सरकार को निर्देश दे चुका है। नीति नियोजक अमित चंद ने सेंटर फॉर सिविल सोसायटी की ओर से गुरुवार को आयोजित गोलमेल परिचर्चा में यह जानकारी देते हुए राष्ट्रीय फुटपाथ नीति को लागू करने की जरूरत बताई। शहर के एक होटल में आयोजित परिचर्चा का विषय था 'राजस्थान में आजीविका एवं शिक्षा को प्रोत्साहन'। कार्यक्रम के अध्यक्ष ख्यातनाम अर्थशास्त्री डॉ. पार्थ जे. शाह ने 'शिक्षा का अधिकार कानून 2009' पर विस्तार से जानकारी दी। नीति नियोजकों व समीक्षकों के बीच हुई इस परिचर्चा में 25 विधायकों ने हिस्सा लिया।

दैनिक भास्कर

जयपुर · शुक्रवार, 22 जुलाई 2011 15

आरटीई कानून का माहौल नहीं बना : देवनानी

जयपुर. पूर्व शिक्षा राज्यमंत्री वासुदेव देवनानी ने कहा कि सरकारी स्कूलों में टेलेंट की कोई कमी नहीं है, लेकिन शिक्षा का अधिकार कानून 2009 की क्रियान्विति में सरकार अपेक्षित माहौल तैयार नहीं कर पाई। इसी का नतीजा है कि स्कूलों में गरीब बच्चों को 25 प्रतिशत सीटों पर दाखिला नहीं मिला व ड्रॉप आउट रेट कम नहीं हुई। वे गुरुवार को सेंटर फॉर सिविल सोसायटी की ओर से शिक्षा व फुटपाथ नीति पर रखे गोलमेज सम्मेलन में बोल रहे थे। कार्यक्रम में चिकित्सा राज्य मंत्री राजकुमार शर्मा, विधायक फूलचंद भिंडा ने भी विचार रखे। कार्यक्रम में देरी के कारण विधायक कालीचरण सराफ और मोहनलाल गुप्ता अपने सुझाव कागज पर लिखकर रवाना हो गए।